

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

फो-275
KM-30
Delhi-25
CPB-220

सं. 338] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 10, 2004/श्रावण 19, 1926
No. 338] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 10, 2004/SRAVANA 19, 1926

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2004

सं. 15/2004-के. उ. शु. (गै.टै.)

पूरा किया

प्रभारी
रा. वि. प्रमुख

सा.का.नि. 511(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 19 के उप-नियम (2) के साथ पठित उप-नियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड एतद्द्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 26 जून, 2001 की अधिसूचना सं. 43/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.) में और आगे निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) पैरा (ii) में, अंत में निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“बशर्ते कि विनिर्माता बंधपत्र के बदले में जमानत अथवा प्रतिभूति के बिना एक सामान्य बंधपत्र, अथवा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 26 जून, 2001 की अधिसूचना सं. 42/2001-के.उ.शु. (गै.टै.) के अनुबंध-II में विनिर्दिष्ट प्रपत्र में एक वचन पत्र प्रस्तुत कर सकता है;”

(ख) स्पष्टीकरण-1 में, (ड) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“(च) वित्त अधिनियम, 2003 (2003 का 32) की धारा 169, जिसे वित्त अधिनियम, 2004 (2004 का 13) की धारा 3 द्वारा संशोधित किया गया था, द्वारा यथा-संशोधित वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के तहत उद्ग्रहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता शुल्क;

(छ) उत्पाद शल्केय माल पर शिक्षा उपकर जिसे वित्त (सं. 2) विधेयक, 2004 के खंड 83 के साथ पठित खंड 81 के तहत उद्ग्रहीत और वसूल किया जाता है।”

[फा. सं. 209/7/2003-के.उ.शु. 6]

नीरव कुमार मल्लिक, अवर सचिव

टिप्पणी: मूल अधिसूचना सं. 43/2001-के.उ.शु.(गै.टै.) दिनांक 26 जून, 2001, भारत के राजपत्र में सं. सा. का. नि. 472(अ), दिनांक 26 जून, 2001 को प्रकाशित की गई थी और इसे भारत के राजपत्र में दिनांक 3 जून, 2004 को सा. का. नि. 350(अ) के तहत प्रकाशित दिनांक 3 जून, 2004 की अधिसूचना सं. 10/2004-के.उ.शु.(गै.टै.) द्वारा अंतिम बार संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 2004

No. 15/2004-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 511(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (3) read with sub-rule (2) of rule 19 of the Central Excise Rules, 2002, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following further amendments in the notification of the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 43/2001-Central Excise (N.T.) dated the 26th June, 2001, namely :—

In the said notification,—

(a) in paragraph (ii), the following proviso shall be inserted at the end, namely :—

“Provided that the manufacturer may furnish a general bond without surety or security, or a letter of undertaking in the Form specified in Annexure-II to the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 42/2001-Central Excise (N.T.) dated the 26th June, 2001 in lieu of a bond;”

(b) In Explanation-I, after (e), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(f) The National Calamity Contingent Duty leviable under Section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001), as amended by Section 169 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003) which was amended by Section 3 of the Finance Act, 2004 (13 of 2004);

(g) The Education Cess on excisable goods as levied and collected under Clause 81 read with Clause 83 of the Finance (No. 2) Bill, 2004.”

[F. No. 209/7/2003-CX. 6]

NEERAJ KUMAR MALLICK, Under Secy.

Note : The principal Notification No. 43/2001-CE(NT) dated 26-6-2001 was published in the Gazette of India vide No. G.S.R. 472 (E), dated 26-6-2001 and was last amended vide Notification No. 10/2004-CE(NT) dated 3-6-2004 [G.S.R. No. 350 (E), dated 3-6-2004].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2004

सं. 16/2004-के. उ. शु. (नै.टै.)

सा.का.मि. 512(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 19 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 26 जून, 2001 की अधिसूचना सं. 42/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (नै.टै.) में और आगे निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में स्पष्टीकरण-III के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण-III इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ “शुल्क” का आशय निम्नलिखित अधिनियमों के तहत वसूले गए उत्पाद शुल्क से है, अर्थात् :—

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1);

(ख) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व की वस्तुएं) अधिनियम, 1957 (1957 का 58);

(ग) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टेक्सटाइल तथा टेक्सटाइल वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40);

(घ) वित्त अधिनियम, 2003 (2003 का 32) की धारा 169, जिसे वित्त अधिनियम, 2004 (2004 का 13) की धारा 3 द्वारा संशोधित किया गया था, द्वारा यथासंशोधित वित्त अधिनियम, 2001 की धारा 136 के तहत उद्ग्रहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता शुल्क);

(ङ) किसी वित्त अधिनियम के तहत वसूल किया गया कोई विशेष उत्पाद शुल्क;

(च) वित्त अधिनियम, 2003 (2003 का 32) की धारा 157 के तहत उद्ग्रहीत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क;

(छ) उत्पाद शुल्केय माल पर वित्त (सं. 2) विधेयक, 2004 के खंड 83 के साथ पठित खंड 81 के तहत उद्गृहीत तथा वसूल किया गया शिक्षा उप कर।”

[फा. सं. 209/7/2003-के.उ.शु. 6]

नीरव कुमार मल्लिक, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र में दिनांक 26 जून, 2001 को सा. का. नि. 471(अ) के तहत प्रकाशित की गई थी और इसमें अंतिम बार दिनांक 29 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना सं. 80/2003-के.उ.शु. (गै.टै.) [सा. का. नि. 851 (अ) दिनांक 29 अक्टूबर, 2003] द्वारा संशोधन किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 2004

No. 16/2004-CENTRAL EXCISE (N.T).

G.S.R. 512(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of rule 19 of the Central Excise Rules, 2002, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 42/2001-Central Excise (N.T.), dated the 26th June, 2001, namely:—

In the said notification, for the Explanation III, the following Explanation shall be substituted, namely,—

“Explanation-III. For the purposes of this notification “duty” means, the duties of excise collected under the following enactments, namely :—

- (a) the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957);
- (c) the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978);
- (d) the National Calamity Contingent duty leviable under Section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001), as amended by Section 169 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003) which was amended by Section 3 of the Finance Act, 2004 (13 of 2004);
- (e) any special excise duty collected under a Finance Act;
- (f) The additional duties of excise as levied under Section 157 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003);
- (g) the Education Cess on excisable goods as levied and collected under Clause 81 read with Clause 83 of the Finance (No.2) Bill, 2004.”

[F. No. 209/7/2003-CX. 6]

NEERAV KUMAR MALLICK, Under Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India Vide G.S.R. 471 (E) dated the 26th June 2001 and was last amended vide notification No. 80/2003-CE(NT), dated the 29th October, 2003 [G.S.R. 851(E), dated the 29th October, 2003]